(ङ) उत्पादित विद्युत की लागत कितनी होगी ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) और (ख) पहले चरण में 10,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता की परमाणु बिजली का उत्पादन प्रधानतः प्राकृतिक यूरेनियम से चलने वाले रिएक्टर लगाकर करने का लक्ष्य अभी भी वही है। इसमें 1000 मेगावाट क्षमता वाले वे दो सोवियत रिएक्टर भी शामिल हैं जिन्हें सोवियत रूस और भारत के बीच हुए अंतःसरकारी सहकार करार, जिस पर नवम्बर, 1988 में हस्ताक्षर किए गए थे, के अनुसार स्थापित किया जाना प्रस्तावित है तथापि लक्ष्य प्राप्ति का समय उपलब्ध साधनों पर निर्भर करेगा और जिसे वर्तमान स्थिति के आधार पर सन् 2000 से आगे बढ़ा दिया गया है ।

(ग) सन् 2000 तक के लक्ष्य के बारे में सही स्थिति का पता आठवीं पंचवर्षीय योजना के आबंटनों को अन्तिम रूप दे दिए जाने के बाद ही चल सकेगा । वर्तमान स्थापित क्षमता 1465 मेगावाट है। मार्च, 1991 को अधिकतम प्राप्य क्षमता कुछ यूनिटों में नियामक संबंधी प्रतिबन्धों के कारण लगभग 1170 मेगावाट थी ।

(घ) वित्त-वर्ष 1990-91 में राजस्थान बिजलीघर के पहले यूनिट को छोड़कर वाणिज्यिक स्तर पर काम कर रहे परमाणु बिजलीघरों का कुल वार्षिक क्षमता गुणक स्थापित क्षमता का लगभग 60% था । राजस्थान के पहले यूनिट के प्रचालनात्मक विद्युत स्तर को उसके रिएक्टर के दक्षिणी एंड शील्ड में हुए हल्के पानी के रिसाव को यांत्रिक तरीके से बन्द करने के परिणामस्वरूप 220 मेगावाट की स्थापित क्षमता की तुलना में लगभग 100 मेगावाट तक सीमित कर दिया गया है ।

(ङ) काम कर रहे परमाणु बिजलीघरों में उत्पादित बिजली पर आई लागत जून, 1991 को लगभग 55 पैसे प्रति किलोवाट से 100 पैसे प्रति किलोवाट के बीच रही। इस लागत में बिजलीघर को 62.8% के मानक क्षमता गुणक पर चलाने से उस पर लगाई गई पूंजी पर हुआ 12% का लाभ और 3.6% का मूल्यह्रास शामिल है ।

पंजाब में कृषि-उत्पादों का प्रसंस्करण

1591. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में उत्पादित विभिन्न कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के लिये अभी तक यथेष्ट रूप से औद्योगिक क्षमता स्थापित नहीं हुई है ;

(ख) यदि हां, तो गन्ने से चीनी, गेहूं आटा, कपास से धागा और धान से चावल का उत्पादन करने के लिये राज्य की वर्तमान अधिष्ठापित औद्योगिक क्षमता का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने आगामी वर्षों में इस क्षमता को बढ़ाने के लिये कोई व्यापक योजना तैयार की है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री चिरिंजर गोमांगो) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

हल्दिया में उर्वरक उत्पादन इकाई के निर्माण-कार्य का समापन

1592. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बंगाल में हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन के अधीन

हल्दिया में उर्वरक उत्पादन इकाई के निर्माण का कार्य 1979 में लगभग पूर्ण हो गया था ;

(ख) यदि हां, तो इस इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी थी ;

(ग) क्या यह सच है कि यह इकाई इस क्षमता का मार्च, 1991 तक कोई उपयोग नहीं कर सकी ;

(घ) यदि हां, तो क्षमता का न्यूनतम और अधिकतम उपयोग किन-किन वर्षों में किया गया तथा इस इकाई की स्थापना से लेकर मार्च, 1991 के मध्य उर्वरक का वार्षिक औसत उत्पादन कितना रहा ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि इस इकाई को अब तक काफी हानि हुई है; और

(च) यदि हां, तो इस इकाई को अब तक कुल कितनी हानि हुई है तथा इसके निर्माण पर कुल कितना धन व्यय हुआ है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्ता मोहन) : संयंत्रों का यांत्रिकी रूप से निर्माण 1979 में पूर्ण हो गया था ।

(ख) परियोजना की उत्पादन क्षमताएं निम्न प्रकार थी :—

क्रमांक	उत्पादन का नाम	वार्षिक क्षमता (000 मी० टन)
1.	यूरिया	165
2.	एन०पी०के० 15:15:15	500
3.	एन०पी० 20:20:0	379
	सोडा ऐश	60
4.	मैथनाल	41.25

(ग) जी, हां ।

(घ) हल्दिया उर्वरक परियोजना ने वाणिज्यिक उत्पादन आरम्भ नहीं किया है क्योंकि आरंभण के दौरान उपस्कर की बारम्बार खराबी के कारण परियोजना के आरंभण कार्यकलाप अक्तुबर 1986 से बन्द करने पड़ गए ।

(ङ) और (च) 31 मार्च, 1991 तक परियोजना पर 628.95 करोड़ रू० की राशि खर्च की जा चुकी है । हानियों का हिसाब लगाने के लिए इस राशि का परिकलन नहीं किया गया है क्योंकि वाणिज्यिक उत्पादन आरम्भ नहीं हुआ है ।

Promotion of Junior Hindi translators

1593. SHRI CHATURANAN MISH-EA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that according to recruitment rules a Junior Hindi translator in Survey of India is to be promoted to the post of Senior Hindi Translator after eight years of service;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether it is also a fact that in the Department of Survey of India some junior translators have been stagnating at the same post and grade for more than eighteen years and some for more than ten years;

(d) if so, the details thereof; and

(e) steps being taken to promote such junior translators who are entitled for promotion to senior grade as per rules?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SMT. MARGARET ALVA): (a) and (b) According to the Survey of India Recruitment Rules, a Hindi Translator is eligible for consideration for promotion as Senior Hindi Translator after 5 years of regular service in the grade.

(c) Yes, Sir.